साहित्य अकादेमी में राजभाषा हिंदी सप्ताह का समापन

राजभाषा निदेशक आर. रमेश आर्य एवं प्रख्यात साहित्यकार सुरेश ऋतुपर्ण थे सम्मानित अतिथि

आलोकपर्व नेटवर्क

राजभाषा हिंदी सप्ताह के समापन के अवसर पर आज साहित्य अकादेमी में समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात साहित्यकार सुरेश ऋतुपर्ण मुख्य अतिथि के रूप में तथा डॉ. आर. रमेश आर्य, राजभाषा निदेशक, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव एवं अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति डॉ. के. श्रीनिवासराव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि साहित्य अकादेमी राजभाषा विभाग द्वारा निर्देशित सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने अकादेमी के उपस्थित कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे भी राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पाने के लिए सहयोग करें।

समापन समारोह में अकादेमी की राजभाषा पत्रिका आलोक के नए अंक का लोकार्पण किया गया। राजभाषा हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित अनुवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता एवं श्रुत लेखन प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में अपना वक्तव्य देते हुए आर. रमेश आर्य ने कहा कि हिंदी सामाजिक संस्कृति को विकसित करने वाली भाषा है और हमें अपनी मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा के साथ ही राष्ट्रभाषा हिंदी को भी भारतीय संस्कृति के समन्वय सूत्र के रूप में सम्मान देना चाहिए और उसका अपने दैनिक कार्यों में अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

भाषा अस्मिता की संवाहक होती है - सुरेश ऋतुपर्ण

भारतीय संस्कृति का समन्वय-सूत्र है हिंदी - आर. रमेश आर्य

सुरेश ऋतुपर्ण ने भाषा को अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि भाषा हमारे राष्ट्र का गौरव ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर की भी संवाहक होती है।

उन्होंने मॉरीशस, फीजी, जापान, ट्रिनिनाड एवं टुबेको के अपने प्रवास की घटनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि भाषा अपने साथ संस्कृति भी ले जाती है और वहाँ के परिवेश में हमारी जडें. जमाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने रोजमर्रा के जीवन में मातृभाषाओं के कम होते प्रयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह हम अपनी भाषा ही नहीं बल्कि विराट संस्कृति की भी उपेक्षा कर रहे हैं, जो उचित नहीं है।

राजभाषा सप्ताह के दौरान पिछले 17 सितंबर 2020 को गीतकार एवं गजलकार हरेराम समीप, विज्ञान व्रत, कमलेश भट्ट कमल एवं बी.एल. गौड़ ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत की थीं। राजभाषा सप्ताह का शुभारंभ प्रख्यात लेखिका मृदुला गर्ग ने 14 सितंबर 2020 को विधिवत उद्घाटन करके किया था।